Godda College, Godda

Name of the teacher	Course	Sem	Subject	Title	Mode
Dr. Pankaj Kumar	B.Ed	II	TC-201	Group cohesiveness	pdf

Pankaj
20/04/2020

TC-201
Unit - 5

Importance of developing group mind (Group विकासशील समूह मन के महत्व (cohesiveness) -

समूह सामंजस्य/समूह संसक्तिशीलता (Group cohesiveness) =>

समूह संसक्तिशीलता / समूह सामंजस्य का अर्थ यह है कि समूह के सदस्य के बीच कितनी घनिष्ठता है। वे परस्पर किस सीमा तक जुड़े हुए हैं। यह इस बात का परिचायक है कि समूह के सदस्यों के बीच अन्तर्वैयक्तिक संबंध कितने मजबूत हैं, और वे समूह में बने रहने तथा समूह के लक्ष्यों एवं संस्कृति को आत्मसात करने के लिए कितने प्रेरित होते हैं। वे समूह की प्रगति में कितना योगदान देते हैं और समूह की उपलब्धियों पर कितना गर्व करते हैं।

किसी भी समूह में इन भावनाओं का होना नितांत आवश्यक है। संसक्तिशीलता के कारण सदस्यों में अपनत्व जाग्रत होता है। उनमें मैं के स्थान पर हम की भावना का विकास होता है। संसक्ति सदस्यों के बीच अन्तःक्रियाओं को बढ़ाती है। इससे समूह में सम्प्रेषण प्रभावी बनता है। समूह की इन विशेषताओं के आधार पर हम समूह और भीड़ के अन्तर को आसानी से समझ सकते हैं।

और व्यक्तियों का समुच्चय अवश्य है, लेकिन संसक्तिशीलता का अभाव उसे समूह नहीं बनने देता।

यह देखा गया है कि अधिक संसक्त समूह अधिक प्रभावी होता है, लेकिन यहाँ विशेष उल्लेखनीय बात यह है कि संसक्तिशीलता और उत्पादकता के बीच सम्बन्ध पर मुख्य रूप से इस बात का प्रभाव पड़ता है कि समूह द्वारा किस प्रकार के निष्पादन मूलक मानदण्ड बनाए गए हों।

यदि संसक्ति उच्च है और निष्पादन मूलक मानदण्ड भी उच्च है, तभी इसका परिणाम उच्च उत्पादकता में देखा जा सकता है। किन्तु यदि निष्पादन मूलक मानदण्ड निम्न है तो उच्च संसक्ति होने पर भी इसका परिणाम निम्न उत्पादकता ही होगा।

समूह संसक्तिशीलता / संगठनता के निर्धारक (Determinants of Group Cohesiveness) –

समूह संसक्तिशीलता को निर्धारित करने वाले कारक निम्नांकित हैं:-

⇒ समूह की प्रस्थिति (Status of Group) – अगर अन्य सभी स्थितियाँ समान हों तो लोग निम्न प्रस्थिति प्राप्त समूह के बजाय उच्च प्रस्थिति प्राप्त समूह के प्रति

ज्यादा स्वाभिभक्ति का इजहार करते है। इसका प्रभाव यह पड़ता है कि समूह और ज्यादा मजबूत हो जाता है एवं ज्यादा उच्च प्रस्थिति की ओर अग्रसर होता है।

⇒ समूह का आकार (Size of Group)-
रॉबिन्स (Robbins, 2004) ने समूह के आकार के प्रभाव का उल्लेख करते हुए कहा है कि बड़े समूह की अपेक्षा छोटा समूह अपने कार्य को अधिक तीव्र गति से पूरा करता है। अतः कार्य के गुण तथा मात्रा दोनों में बड़े समूह की अपेक्षा छोटा समूह बेहतर होता है। इसका कारण यह है कि छोटे समूह की संरचना बड़ी स्पष्ट होती है और छोटे समूह के सदस्य लगातार एक-दूसरे के समक्ष अन्तःक्रिया करते है।

⇒ समूह की प्रकृति (Nature of the Group)-
विजातीय (Heterogeneous) समूह (वैसा समूह जिसके सदस्यों की भिन्न अभिरुचि एवं भिन्न पृष्ठभूमि होती है) प्रायः कम प्रभावकारी होते है जबकि वैसे समूह जिनके सदस्यों में उम्र, शिक्षा, स्थिति, अनुभव एवं पृष्ठभूमि आदि में ज्यादा समानता होती है ज्यादा प्रभावकारी होते है।

Scanned with CamScanner

⇒ संचार (communication) - वैसे समूह जिनके सदस्य आपस में ज्यादा नजदीक होते हैं बहुत ज्यादा अन्त: क्रिया करते हैं इनका प्रभाव तो ज्यादा होता ही है, ये ज्यादा संसक्तिशील भी होते हैं। जबकि वैसे समूह जिनके सदस्य आपस में बहुत नजदीक नहीं होते हैं वे न तो बहुत अंत: क्रिया करते हैं और न ही संसक्तिशील होते हैं। परिणाम स्वरूप इनका भी प्रभाव कम होता है। प्रभावी समूह के सदस्य संप्रेषण के लिए अपना एक अलग कोड भाषा एवं चिह्न: विकसित कर लेते हैं।

⇒ समूह की स्थानिक स्थिति (Location of the Group) - समूह की संसक्तिशीलता में समूह की स्थानिक स्थिति बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। खासकर तब जब किसी समूह का अन्य दूसरे समूह से काफी दूरी हो।

⇒ स्वायत्तता (Autonomy) - एक समूह दूसरे समूह पर आश्रित या अनाश्रित हो सकता है। इसलिए, समूह की संसक्तता समूह की आश्रिता या अनाश्रिता पर भी निर्भर करती है। यदि किसी समूह के सदस्य स्वतंत्र हों एवं वे दूसरी गतिविधियों में संलग्न हों तो सदस्यों के बीच संसक्तिशीलता बहुत कम होती है। जबकि समूह की संसक्तिशीलता अधिक होती है।

Scanned with CamScanner

⇒ नेतृत्व शैली (Leadership Style) - नेतृत्व शैली भी समूह संसक्तिशीलता को निर्धारित करती है। प्रभावकारी नेतृत्व समूह के सदस्यों को आपस में बहुत नजदीक करके रखने या बनाने की कोशिश करता है जिसका परिणाम होता है कि समूह की संसक्तिशीलता बढ़ती जाती है।

⇒ प्रबन्ध व्यवहार (Management Behaviour) - प्रबन्ध व्यवहार समूह संसक्तिशीलता को प्रभावित करने की क्षमता रखता है। अगर प्रबन्धक एक समूह के सदस्यों के बीच लगातार प्रतियोगिता कराये या कुछ सदस्यों को ज्यादा प्रोत्साहित या प्रशंसा करें तो समूह की संसक्तिशीलता कम होने लगती है। दूसरी तरफ अगर प्रबंधन चाहे तो सदस्यों के बीच आपसी दूरियों को कम करके समूह संसक्तिशीलता को बढ़ा सकता है।

समूह संसक्तिशीलता एवं उत्पादन (Group Cohesiveness and productivity) -

अनुसंधानों से पता चलता है कि उच्च संसक्तिशीलता वाले समूह की उत्पादकता एवं प्रभावशीलता निम्न संसक्तिशीलता वाले समूह की अपेक्षा ज्यादा होती है। परन्तु संसक्तिशीलता एवं उत्पादकता सह प्रभावशीलता का संबंध बहुत जटिल होता है। सिर्फ कह देने मात्र से कि उच्च संसक्तिशीलता वाले समूह की

उत्पादकता अधिक होती है, वस्तुस्थिति से अवगत नहीं हुआ जा सकता है। इसका प्रथम कारण है कि उच्च संसक्तिशीलता उच्च उत्पादकता का कारण भी है और परिणाम भी। दूसरा कारण इनके बीच का सम्बन्ध समूह की अभिवृति की सीमा से भी निर्धारित होता है अगर समूह का मानक या मनोवृति अनुकूल है, संसक्तिशीलता समूह ज्यादा उत्पादकता वाला होगा। अर्थात् समूह जितना ज्यादा संसक्तिशील होगा उनके सदस्य उतना ज्यादा उत्पादक होंगे। अगर समूह का मानक संगठन के प्रतिकूल हो तो संसक्तिशील समूह भी कम उत्पादकता वाले होंगे। जब संसक्तिशीलता निम्न होती है और समूह का मानक संगठन के लक्ष्यों को समर्थन नहीं करता है तो ऐसी स्थिति में संसक्तिशीलता उत्पादकता पर बहुत प्रभाव नहीं डाल पाती है।

संसक्तिशीलता
(Cohesiveness)

उच्च (High) — निम्न (Low)

निष्पादन मानक (Performance Norms)

	उच्च (High)	निम्न (Low)
	उच्च उत्पादकता High Productivity	मध्यम उत्पादकता Medium Productivity
	निम्न उत्पादकता Low productivity	निम्न उत्पादकता Low productivity

अतैव संसक्तिशीलता समूह अधिकारी तलवार जैसा है जब समूह मानक संगठन का सहयोग होता है संसक्तिशीलता समूह उत्पादक होता है और ऐसा नहीं होने पर उत्पादक निम्न हो जाता है।

Scanned with CamScanner